भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 539 का उत्तर

माल ढुलाई दरें

539. सुश्री नुसरत जहां रूहीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कई वस्तुओं के परिवहन के लिए रेलवे की माल ढुलाई दरें अन्य साधनों से अधिक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेलवे के माल ढुलाई यातायात में गत 50 वर्षों में बड़े पैमाने पर गिरावट आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

माल ढुलाई दरों के संबंध में 20.11.2019 को लोक सभा में सुश्री नुसरत जहां रूही के अतारांकित प्रश्न सं. 539 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): भारतीय रेलवे की मालभाड़ा दरें पारवहन पण्यों के वर्गीकरण, आवश्यक पण्यों के समाजिक प्रभाव और इसके संचालन आदि के आधार पर स्थायी संरचना के रूप में स्पष्ट रूप से अधिसूचित हैं। बहरहाल, मालभाड़ा संरचना पारवहन के अन्य सांधनों जैसे रोडवेज आदि में सार्वजनिक नहीं हैं। अत: रेल मालभाड़ा दर अवसंरचना को किसी अन्य के साथ तुलना करना सटीक नहीं होगा।

(ख): जी नहीं। भारतीय रेल, मालभाड़ा व्यवसाय विगत पचास वर्षों में लगभग सात गुना अर्थात् 1970-71 में 167.39 मिलियन टन से बढ़कर 2017-18 में 1159.55 मिलियन टन तक वृद्धि हुई है।

(ग): अपने मालभाड़ा व्यवसाय को बढ़ाने के लिए भारतीय रेल द्वारा कई उपाय किए गए हैं। प्रमुख उपायों में रेक भार अवधारणा को अपनाना, कंटेनराइजेशन, उच्च पे लोड के साथ नए मालडिब्बों को डिजाइन करना, दीर्घकालिक दर ठेका नीति, अपना मालडिब्बा अपनाओ योजना, निजी मालभाड़ा टर्मिनल नीति और मालभाड़ा प्रोत्साहन योजनाएं शामिल हैं।

*****